पटना के जल्ला क्षेत्र में बमनपर–दौलतपुर–जल्ला रोड

1291. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या नौवहन और परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार के पटना जिले के जल्ला क्षेत्र में बेग पुर—दौलतपुर—जल्ला सड़क यातायात की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण सड़क है;

(ख) यदि हां, तो यह भी सच है कि इस सड़क की हालत बहुत खराब है; और

(ग) यदि हां, तो इसके निर्माण के लिए सरकार द्वारा क्या कार्रवाई की गई है ?

नौवहन और परिवहन मंत्री (श्री ए० पी० शर्मा) : (क) से (ग). विचाराधीन सड़क एक राज्य सड़क है। राज्य सरकार द्वारा भेजे गए ब्योरों से पता चलता है कि इस सड़क में सुधार करने के लिए इसे 'न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम' में शामिल किया गया था और इसकी 5 किलोमीटर लम्बाई में सुधार-कार्य किया गया था। चूंकि यह सड़क जल्ला क्षेत्र से हो कर गुजरती है जो अक्सर जल से भरा रहता है, इसलिए इस सड़क को पुन-पुन नदी की भयंकर बाढ़ों का प्राय: कोपभाजन बनना पड़ता है। यही कारण है कि 1976 की बाढ़ से यह सड़क बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। 1978 में इस के कुछ हिस्से में मरम्मत की गई।

अखिल भारतीय सचेतक सम्मेलन

1292. **श्री रामावतार शास्त्री: क्या संसदीय कार्य मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार संसदीय कार्यों पर चर्चा करने के लिए सचेतकों का एक सम्मेलन आयोजित किया करती थी ;

(ख) यदि हां, तो क्या ऐसा सम्मेलन पिछले अनेक वर्षों से आयोजित नहीं हुआ है; और

(ग) क्या सरकार का विचार एक अखिल भारतीय सचेतक सम्मेलन आयोजित करने का है; और यदि हां, तो, कब ?

संसदीय कार्य मंत्री (श्री भीष्म नारायण सिंह): (क) जी हां।

(ख) पिछला सचेतक सम्मेलन वर्ष 1972 में भोपाल में आयोजित किया गया था।

(ग) अगले सचेतक सम्मेलन के बारे में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

पटना जंक्शन का विकास

1293. **श्री रामावतार शास्त्री** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भूतपूर्व रेल मंत्री, स्वर्गीय श्री ललित नारायण मिश्र ने पूर्वी रेलवे के पटना जंक्शन का विकास करने की 2.50 करोड़ रु० लागत की एक योजना मंजूर की थी ;

(ख) यदि हां, तो अब तक क्या कार्य आरम्भ किए गए हैं और भविष्य के लिए क्या कार्यक्रम हैं; और

(ग) यह योजना कब तक पूरी की जानी है ?

रेल मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सी० के० जाफर शरीफ) : (क) से (ग). पटना में 1.88 करोड़ रुपये की लागत से कोचिंग और टर्मिनल की व्यवस्था करने की एक योजना 1973 में बनाई गई थी। इस योजना की गहराई से जांच की गई थी और फरवरी 1976 में 78 68 लाख रुपये की लागत से एक संशोधित योजना स्वीकृत की गई थी।

निम्नलिखित कार्य पूरे हो चुके हैं :—

(1) पानी की सुविधाओं सहित दो प्लेटफार्म तथा अलग टिकटघर सहित पक्के रास्ते और गया के यात्रियों के लिए ऊपरी पैदल पुल की व्यवस्था।

(2) गया से एक यात्री बाई-पास लाइन और उसे वर्तमान प्लेटफार्म नं० 4 के साथ सम्बद्ध करना।

(3) हार्डिंग पार्क क्षेत्र में निरीक्षण गर्त सहित एक अतिरिक्त धुलाई लाइन।

(4) दक्षिणी पहुंच मार्ग में एक टिकटघर की व्यवस्था तथा ऊपरी पैदल पुल का टिकटघर तक विस्तार।

निम्नलिखित निर्माण कार्य पूरे होने पर है :—

(1) लम्बी गाड़ियों को खड़ा करने के लिए प्लेटफार्म नं० 4 और 5 का विस्तार।

(2) सिग्नल कार्य में संशोधन करके प्लेटफार्म नं० 5 में अपर और डाउन दोन गाड़ियों के आदान और प्रस्थान की व्यवस्था।

(3) सवारी डिब्बों के अनुरक्षण के लिए उनकी अतिरिक्त धुलाई और उन्हें खड़ा करने की व्यवस्था।